1. भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

1. भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने भाव-विचार दूसरे मनुष्य तक पहुँचाता है तथा दूसरे मनुष्य के भाव-विचार ग्रहण करता है। **2.** भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा। **3.** मातृभाषा भाषा का वह रूप है जिसे बालक अपनी माँ तथा अपने परिवार से सीखता है। **4.** प्रतिवर्ष हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है। **5.** व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके नियमों के द्वारा हम शुद्ध बोलना, लिखना-पढ़ना सीखते हैं अर्थात् व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** द **5.** द

ख. **1.** मौखिक भाषा, लिखित भाषा **2.** लिखित **3.** लिपि **3.** चार, शब्द विचार, पद-विचार

ग. **1.** हिंदी – **देवनागरी** **2.** पंजाबी – **गुरुमुखी** **3.** अंग्रेजी – **रोमन**
4. मराठी – **देवनागरी** **5.** उर्दू – **फ़ारसी** **6.** बंगाली – **बांग्ला**
7. नेपाली – **देवनागरी** **8.** संस्कृत – **देवनागरी** **9.** जर्मन – **रोमन**

घ. **1.** मौखिक **2.** मौखिक **3.** मौखिक **4.** लिखित **5.** लिखित **6.** मौखिक **7.** लिखित **8.** मौखिक।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए

2. वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई, जिसके और अधिक खंड नहीं किए जा सकते, वर्ण या अक्षर कहलाती है। **2.** 52 **3.** उच्चारण की दृष्टि से स्वरों के निम्नलिखित भेद होते हैं- **अ. ह्रस्व स्वर–** जिन वर्णों के उच्चारण में बहुत कम समय लगता है, वे ह्रस्व स्वर कहलाते हैं। ये संख्या में चार हैं- अ, इ, उ, ऋ। **ब. दीर्घ स्वर–** जिन वर्णों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दोगुना समय लगता है, वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं। ये संख्या में सात हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ। **स. प्लुत स्वर–** जिन वर्णों के उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है, वे प्लुत स्वर कहलाते हैं; जैसे- ओऽम्। **4.** व्यंजन के निम्नलिखित भेद हैं– अ. स्पर्श व्यंजन ब. अंतःस्थ व्यंजन स. ऊष्म व्यंजन द. संयुक्त

व्यंजन य. द्वित्व व्यंजन **5.** शब्द के वर्णों को अलग-अलग करके लिखने को वर्ण-विच्छेद कहते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** स **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** अक्षर **2.** वर्णमाला **3.** अंतःस्थ **4.** व्यंजन **5.** ह्रस्व

ग. **1.** स्पर्श व्यंजन – **न च त** **2.** अंतस्थ व्यंजन – **व य र**
3. ऊष्म व्यंजन – **ष ह स** **4.** स्वर – **अ ऋ ओ**
5. संयुक्त व्यंजन – **ज्ञ त्र श्र**

घ. **1. दिनकर** – द् + इ + न् + अ + क् + अ + र् + अ
2. किताब – क् + इ + त् + आ + ब् + अ
3. पुस्तकालय – प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य + अ
4. दीपावली – द् + ई + प् + आ + व् + अ + ल् + ई
5. दरवाजा – द् + अ + र् + अ + व् + आ + ज् + आ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

3. शब्द-विचार

मौखिक प्रश्न

1. वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। **2.** उत्पत्ति या स्रोत के आधार पर शब्द पाँच प्रकार के होते हैं– (i) तत्सम शब्द (ii) तद्भव शब्द (iii) देशज शब्द (iv) विदेशी शब्द (v) संकर शब्द **3.** रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं– (i) रूढ़ शब्द (ii) यौगिक शब्द (iii) योगरूढ़ शब्द **4.** अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं– (i) सार्थक शब्द (ii) निरर्थक शब्द **5.** प्रयोग के आधार पर शब्दों को दो भागों में बाँटा गया है– **(i) विकारी शब्द–** संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया। **(ii) अविकारी शब्द–** क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक।

लिखने का समय

क. **1.** अ **2.** ब **3.** स **4.** अ **5.** स

ख. **तद्भव –** दूध, कुआँ, पैर, गाँव, घी, माथा, बहन, आम, नींद, पत्थर, पत्ता, कान

ग. इनाम – पुरस्कार आज़ाद – स्वतंत्र अख़बार – समाचार पत्र
हॉस्टल – छात्रावास ख़जाना – कोष चिराग – दीया
कामयाबी – सफलता तलाश – खोज मशहूर – प्रसिद्ध

घ.	**रूढ़**	–	घोड़ा	हवा	चश्मा	रेल
	यौगिक	–	राजभवन	देवालय	डाकघर	रसोईघर
	योगरूढ़	–	गजानन	पंकज	एकदंत	नीलकंठ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

4. शब्द रचना : संधि

मौखिक प्रश्न

1. दो वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार या परिवर्तन होता है उसे संधि कहते हैं। **2. संधि-विच्छेद–** संधि युक्त शब्दों को अलग करके लिखने की प्रक्रिया को संधि-विच्छेद कहते हैं। उदाहरण– परोपकार = पर + उपकार, परमेश्वर = परम + ईश्वर, पुस्तकालय = पुस्तक + आलय, विद्यार्थी = विद्या + अर्थी **3.** संधि तीन प्रकार की होती है– **अ.** स्वर संधि **ब.** व्यंजन संधि **स.** विसर्ग संधि **4.** स्वर संधि पाँच प्रकार की होती है– **क.** दीर्घ संधि **ख.** गुण संधि **ग.** वृद्धि संधि **घ.** यण संधि **ङ.** अयादि संधि।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** स **4.** अ **5.** अ

ख.	रेखांकित	–	रेखा + अंकित	भानूदय	–	भानु + उदय
	प्रतीक्षा	–	प्रति + ईक्षा	दिगंबर	–	दिक् + अंबर
	निर्धन	–	निः + धन	निराशा	–	निः + आशा
	सदैव	–	सदा + एव	महर्षि	–	महा + ऋषि
	यद्यपि	–	यदि + अपि			
ग.	इति + आदि	–	इत्यादि	नौ + इक	–	नायक
	भौ + उक	–	भावुक	रमा + ईश	–	रमेश
	वार्ता + आलाप	–	वार्तालाप	मूल्य + अंकन	–	मूल्यांकन
	वधू + उत्सव	–	वधूत्सव	निः + चिंत	–	निश्चिंत
	सम + कल्प	–	संकल्प			

घ. सप्त + ऋषि सूर्य + उदय उत + योग

मनः + रंजन यथा + अर्थ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

5. शब्द रचना : समास

मौखिक प्रश्न

1. दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर एक शब्द बनाने वाली प्रक्रिया को समास कहते हैं। **2.** समास युक्त शब्द के पूर्व पद और उत्तर पद को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया समास-विग्रह कहलाती है। उदाहरण-

समास युक्त शब्द		**समास-विग्रह**	**समास युक्त शब्द**		**समास-विग्रह**
राजसभा	–	राजा की सभा	देशभक्ति	–	देश के लिए भक्ति
घुड़सवार	–	घोड़े पर सवार	यथाविधि	–	विधि के अनुसार

3. समास के छह भेद होते हैं– **अ.** अव्ययीभाव समास **ब.** तत्पुरुष समास **स.** कर्मधारय समास **द.** द्विगु समास **य.** द्वंद्व समास **र.** बहुव्रीहि समास **4.** तत्पुरुष समास के छः भेद हैं- कर्म तत्पुरुष समास, करण तत्पुरुष समास, संप्रदान तत्पुरुष समास, अपादान तत्पुरुष समास, संबंध तत्पुरुष समास, अधिकरण तत्पुरुष समास। **5. द्विगु समास–** जिस समास में पहला पद संख्यावाची हो और पूरा समास समूह या समाहार का बोध कराए, उसे द्विगु समास कहते हैं; जैसे–

समास युक्त शब्द		**समास-विग्रह**
त्रिकोण	–	तीन कोणों का समूह
चारपाई	–	चार पायों का समूह

द्वंद्व समास– जिस समास में दोनों पद समान रूप से प्रधान होते हैं और दोनों के बीच 'और' शब्द का लोप होता है, उसे द्वंद्व समास कहते हैं; जैसे–

समासयुक्त शब्द		**समास विग्रह**
रात-दिन	–	अपना-पराया
रात और दिन	–	अपना और पराया

लिखने का समय

क. **1.** अ **2.** स **3.** अ **4.** अ **5.** ब

ख.

	समास विग्रह		**समास का नाम**
1.	नौ रत्नों का समूह	–	द्विगु
2.	भला है जो मानस	–	कर्मधारय
3.	तीन है लोचन जिसके अर्थात् शिव	–	बहुव्रीहि
4.	राजा और रानी	–	द्वंद्व
5.	चाँद के समान मुख	–	कर्मधारय

ग.

	समास युक्त शब्द		समास का नाम
1.	युद्धभूमि	–	संप्रदान तत्पुरुष
2.	यथाशक्ति	–	अव्ययीभाव
3.	सर्वप्रिय	–	कर्म तत्पुरुष
4.	जलधारा	–	संबंध तत्पुरुष
5.	घुड़सवार	–	अधिकरण तत्पुरुष

घ. **1.** अव्ययीभाव समास **2.** द्वंद्व समास **3.** द्विगु समास **4.** बहुव्रीहि समास **5.** कर्मधारय समास

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

6. शब्द रचना : उपसर्ग और प्रत्यय

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश किसी शब्द के पूर्व जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। **2.** हिंदी में प्रयोग होने वाले उपसर्गों को चार वर्गों में बाँटा जाता है– **अ.** संस्कृत के उपसर्ग **ब.** हिंदी के उपसर्ग **स.** अरबी, फारसी एवं उर्दू के उपसर्ग **4.** संस्कृत के अव्यय **3.** जो शब्दांश शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में नवीनता लाते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं। **4.** प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– **अ.** कृत प्रत्यय **ब.** तद्धित प्रत्यय

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** अ **4.** ब **5.** ब

ख.

शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द	शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द
आजीवन	–	आ	जीवन	पुनर्जन्म	–	पुनः	जन्म
स्वतंत्र	–	स्व	तंत्र	अधपका	–	अध	पका
गैरकानूनी	–	गैर	कानूनी	संतोष	–	सम्	तोष
प्रतिकूल	–	प्रति	कूल	वियोग	–	वि	योग
अनुरूप	–	अनु	रूप	खुशकिस्मत	–	खुश	किस्मत

ग.

शब्द		मूल शब्द	प्रत्यय	शब्द		मूल शब्द	प्रत्यय
कमाऊ	–	कमा	आऊ	बनावट	–	बना	आवट
पूजनीय	–	पूज	अनीय	मेहनताना	–	मेहनत	आना
सजीला	–	सज	ईला	सम्मानित	–	सम्मान	इत
होनहार	–	होना	हार	भुलावा	–	भूल	आवा
खिलौना	–	खेल	औना	सामाजिक	–	समाज	इक

4.	उपसर्ग		शब्द		प्रत्यय		शब्द	
	अति	–	अत्यधिक	अत्याचार	वाई	–	सुनवाई	करवाई
	सु	–	सुशील	सुकुमार	आकू	–	पढ़ाकू	लड़ाकू
	प्र	–	प्रहार	प्रखर	आई	–	लिखाई	चढ़ाई
	बहु	–	बहुमूल्य	बहुमत	आस	–	मिठास	खटास
	भर	–	भरपूर	भरपेट	पन	–	लड़कपन	बचपन

ङ	शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
	असामाजिक	–	अ	समाज	इक
	अलौकिक	–	अ	लोक	इक
	असफलता	–	अ	सफल	ता
	दुराचारी	–	दुर	आचार	ई
	अपमानित	–	अप	मान	इत
	निर्मलता	–	निः	मल	ता
	संपूर्णता	–	सम्	पूर्ण	ता
	स्वतंत्रता	–	स्व	तंत्र	ता

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

7. शब्द भंडार

मौखिक प्रश्न

1. अर्थ की दृष्टि से एक समान अर्थ बताने वाले शब्द पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के अर्थ एक दूसरे से मिलते हुए अवश्य होते हैं परंतु भाव में अंतर पाया जाता है– उदाहरण- **आँख** – नेत्र, नयन, चक्षु; **जल** – वारि, नीर, पानी। **2.** भाषा में कुछ शब्दों के अर्थ एक दूसरे के विपरीत या उलटे अर्थ प्रकट करते हैं। ऐसे शब्द विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं। **3.** अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांश के लिए एक शब्द भी कहा जाता है। इनके प्रयोग से भाषा संक्षिप्त, प्रभावशाली एवं आकर्षक बनती है। उदाहरण- (i) रजत के पिता विज्ञान से संबंध रखने वाले हैं- (वाक्यांश) (ii) रजत के पिता वैज्ञानिक हैं। (एक शब्द) **4.** अनेकार्थक शब्द का अर्थ है- अनेक अर्थ देने वाला अर्थात् जिस शब्द के एक से अधिक अर्थ होते हैं, वह अनेकार्थक शब्द कहलाता है। अनेकार्थक शब्दों का प्रयोग प्रसंगानुकूल किया जाता है। उदाहरण- 'फल' शब्द के विभिन्न प्रयोग – (i) इस बाग में तरह-तरह के फल लगे हैं। (ii) परीक्षा फल निकलने वाले दिन मुझे बहुत घबराहट हुई। (iii) सुख-दुख मिलना हमारे कर्मों का फल है। **5.** भाषा में कुछ शब्द बोलचाल में समान प्रतीत होते हैं। उनका

उच्चारण भी प्रायः एक-सा प्रतीत होता है परंतु उनके अर्थों में भिन्नता पाई जाती हैं। ऐसे शब्द श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के अर्थ को समझने के लिए उच्चारण एवं वर्तनी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उदाहरण– **दिन** – दिवस, **दीन** – दरिद्र, **पवन** – हवा, **पावन** – पवित्र

लिखने का समय

क. 1. स 2. अ 3. द 4. अ 5. ब

ख. 1. **नारी** – स्त्री, महिला; 2. **पत्थर** – पाषाण, शिला; 3. **नौकर** – सेवक, दास; 4. **बंदर** – कपि, वानर; 5. **धन** – लक्ष्मी, दौलत; 6. **अमृत** – पीयूष, सुधा।

ग. 1. दुर्गंध 2. एकता 3. आदर 4. उत्तीर्ण 5. अहिंसा

घ. 1. नौकर की बात **निराधार** है। 2. कल से हमारी **छमाही** परीक्षाएँ शुरू होंगी। 3. रमेश के पिता एक **ग्रामीण** हैं। 4. अमित के दादाजी **आस्तिक** हैं। 5. दिल्ली में **गगनचुंबी** इमारतें हैं।

ङ

गुण	–	विशेषता	धनुष की डोरी	मंगल	–	दिन	ग्रह
नव	–	नया	नौ	जलज	–	कमल	मोती
सुर	–	देवता	स्वर	आम	–	सामान्य	फल
उत्तर	–	हल	दिशा	कुल	–	वंश	योग
अंक	–	गोद	संख्या	दल	–	समूह	पत्ता

च.

ग्रह	–	नक्षत्र	सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।
गृह	–	घर	शुभ मुहुर्त देखकर रमेश ने गृह-प्रवेश किया।
दशा	–	अवस्था	व्यापार में सफलता प्राप्त करके अमित की दशा सुधर गई।
दिशा	–	तरफ	हिमालय भारत की उत्तर दिशा में है।
सुत	–	बेटा	दशरथ के सुत राम ने रावण का वध किया था।
सूत	–	धागा	हमें गर्मियों में सूत के बने वस्त्र पहनने चाहिए।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

8. संज्ञा

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। 2. संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद होते हैं– **अ. व्यक्तिवाचक संज्ञा–** जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जर्मनी से लौट आए। **ब. जातिवाचक संज्ञा–** जिस संज्ञा से

किसी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण– हाथी जंगल में घूम रहा है। **स. भाववाचक संज्ञा-** जिन संज्ञा शब्दों से पदार्थों के गुण, दोष, अवस्था, भाव आदि का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण- बचपन से खिलौने बहुत प्रिय लगते हैं। **3.** हिंदी भाषा में, अंग्रेजी भाषा के प्रभाव के कारण दो अन्य भेद भी स्वीकार किए गए हैं। (i) द्रव्यवाचक संज्ञा (ii) समुदायवाचक/समूहवाचक संज्ञा **4.** भाववाचक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया से बनती हैं।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख.	बुढ़ापा	–	भाववाचक	नेहरू	–	व्यक्तिवाचक
	सोना	–	द्रव्यवाचक	सैनिक	–	जातिवाचक
	कक्षा	–	समूहवाचक	निर्धनता	–	भाववाचक
	नरेश	–	व्यक्तिवाचक	मोर	–	जातिवाचक
ग.	सजाना	–	सजावट	सेवक	–	सेवा
	बचना	–	बचाव	चोर	–	चोरी
	कंजूस	–	कंजूसी	अपना	–	अपनापन
	कायर	–	कायरता	पुरुष	–	पौरुषत्व
	मधुर	–	मधुरता			

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

9. लिंग

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध होता हो उसे लिंग कहते हैं। **2.** लिंग के दो भेद होते हैं– **अ.** पुल्लिग–पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते हैं; जैसे–पिता, देवर, राजा, बैल, पति, मोर, सेठ आदि। **ब.** स्त्रीलिंग–स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे–माता, देवरानी, रानी, गाय, पत्नी, सेठानी आदि। **3.** कुछ शब्द 'सदैव पुल्लिग' प्रयुक्त होते हैं; जैसे- कौआ, कछुआ, गरुड़, भालू, खरगोश। **4.** कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग में प्रयुक्त होते हैं; जैसे– मछली, तितली, कोयल, मैना, मक्खी। **5.** कुछ ऐसे संज्ञा शब्द हैं जो स्त्री और पुरुष के लिए समान रूप से प्रयोग किए जाते हैं। ये 'पदनाम' भी कहलाते हैं। जैसे– प्रधानमंत्री, डॉक्टर, मंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति, इंजीनियर, खिलाड़ी, नेता आदि।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** स **4.** स **5.** स

ख. 1. साध्वी ने भगवा वस्त्र पहने हैं। 2. नौकरानी ने मालकिन के लिए खाना बनाया। 3. तपस्विनी ने योग साधना की। 4. बच्चा सिंह को देखकर डर गया। 5. मेरी दादीजी बुद्धिमती हैं।

ग. 1. **(अ)** मोरनी **(ब)** सिंहनी 2. **(अ)** पाठिका **(ब)** गायिका 3. **(अ)** ग्वालिन **(ब)** नागिन 4. **(अ)** खटिया **(ब)** गुड़िया 5. **(अ)** स्वामिनी **(ब)** ब्रह्मचारिणी

घ.

नायक	–	नायिका	संचालिका	–	संचालक	शिक्षिका	–	शिक्षक
संन्यासी	–	संन्यासिन	वृद्ध	–	वृद्धा	तपस्विनी	–	तपस्वी
सम्राट	–	सम्राज्ञी	लुहारिन	–	लुहार	भाग्यवान	–	भाग्यवती

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

10. वचन

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अथवा क्रिया शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का पता चले, वह वचन कहलाता है। 2. वचन के दो भेद होते हैं– **अ. एकवचन–** शब्द के जिस रूप से एक का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे- पुस्तक, कुर्सी, मिठाई, चिड़िया, कमरा, गुब्बारा आदि। **ब. बहुवचन–** शब्द के जिस रूप से एक से अधिक का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे– पुस्तकें, कुर्सियाँ, मिठाइयाँ, चिड़ियाँ, गुब्बारे आदि। 3. हिंदी में कुछ शब्द सदा एकवचन होते हैं। उदाहरण- वर्षा, जनता, चाय, दूध, पानी, सूर्य, आकाश आदि। 4. कुछ शब्द सदा बहुवचन होते हैं। उदाहरण- आँसू, प्राण, हस्ताक्षर, दर्शन, बाल आदि।

लिखने का समय

क. 1. ब 2. स 3. द 4. अ 5. द

ख.

अँगूठी	–	अँगूठियाँ	वार्ताएँ	–	वार्ता	महिलाएँ	–	महिला
सब्जी	–	सब्जियाँ	बिंदियाँ	–	बिंदी	मिठाई	–	मिठाइयाँ
ककड़ी	–	ककड़ियाँ	वधू	–	वधुएँ	गुफा	–	गुफाएँ

ग. 1. वह सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर गया। 2. चाचा चौधरी की कहानियाँ रुचिकर होती हैं। 3. विद्यार्थियों ने पाठ पढ़ें। 4. अलमारी में कपड़े रख दो। 5. हमने मंदिर में मालाएँ चढ़ाई।

घ.

1. **हस्ताक्षर** – प्रधानाचार्य ने प्रार्थनापत्र पर अपने हस्ताक्षर किए।
2. **दर्शन** – हमने मार्च में वैष्णो देवी के दर्शन किए।
3. **जनता** – आज के समय में जनता बहुत जागरुक हो गई है।

4. प्राण – दिल का दौरा पड़ने से निधि के पिताजी के प्राण निकल गए।

5. आकाश – आकाश का रंग नीला है।

6. सूर्य – सूर्य हमें प्रकाश तथा ऊष्मा प्रदान करता है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

11. कारक

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं। **2.** कारक आठ प्रकार के होते हैं– कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन आदि। **3.** कारक तथा उनके विभक्ति चिह्न इस प्रकार हैं– कर्ता – ने; कर्म – को; करण – से के द्वारा; संप्रदान – के लिए, को; अपादान – से (अलग होना); संबंध – का के, की; अधिकरण – में, पर; संबोधन – हे, अरे **4. करण कारक–** जिसके द्वारा किसी काम को करने में सहायता मिले उस संज्ञा या सर्वनाम शब्द को करण कारक कहते हैं। *उदाहरण–* (i) नेहा ने रंगों से चित्र बनाया। (ii) हमने वायुयान से अमेरिका तक की यात्रा की। उपर्युक्त वाक्यों में 'बनाया' है क्रिया का साधन 'रंगों' है तथा यात्रा का साधन 'वायुयान' है; अतः दोनों करण कारक हैं तथा इनका विभक्ति चिह्न 'से' है। **अपादान कारक–** जिससे अलग होने का भाव प्रकट होता है या जिससे क्रिया निकलती है, उसे अपादान कारक कहते हैं; *उदाहरण–* (i) पानी नल से टपक रहा है। (ii) गंगा हिमालय से निकलती है। उपर्युक्त वाक्यों में 'टपकने' और 'निकलने' की क्रिया क्रमशः 'छत से' और 'हिमालय से' हो रही है; अतः 'छत' और 'हिमालय' अपादान कारक हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** से, के लिए **2.** ने **3.** के द्वारा **4.** को, से **5.** का

ग. **1.** सुनयना, रश्मिता से सुंदर है। **2.** लकड़हारे ने कुल्हाड़ी से पेड़ काट डाला। **3.** पार्क में झूले पर बच्चे झूल रहे हैं। **4.** घर की मुंडेर पर बंदर बैठा है। **5.** बच्चा साँप से डर गया।

घ.

ने	कर्ता कारक	में, पर	अधिकरण कारक
की	संबंध कारक	से द्वारा	करण कारक
हे!	संबोधन कारक	के लिए	संप्रदान कारक

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

12. सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं वे सर्वनाम कहलाते हैं। **2.** सर्वनाम के छह भेद हैं जो इस प्रकार है– **अ. पुरुषवाचक सर्वनाम–** जो सर्वनाम किसी व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– वह, तुम, मैं, वे आदि। **ब. निश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनामों से किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चयपूर्वक बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, ये, वह, वे, ऐसे, इनमें आदि। **3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनामों से किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चयपूर्वक बोध नहीं होता है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कोई, कुछ, किसी, किन्हीं आदि। **4. प्रश्नवाचक सर्वनाम–** प्रश्न पूछने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– क्या, कौन, किसने, क्यों, कहाँ आदि। **5. संबंधवाचक सर्वनाम–** दो उपवाक्यों के बीच संबंध प्रकट करने वाले सर्वनाम को संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जो-वह, जिसकी-उसकी, जैसा-वैसा आदि। **6. निजवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनामों का प्रयोग स्वयं के अर्थ में किया जाता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– स्वयं, खुद, अपने-आप, आदि। **3.** पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं- उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष, अन्य पुरुष। **4.** सर्वनाम विकारी शब्द है इसलिए इसकी रूप रचना, वचन और कारक के कारण परिवर्तित होती है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख. **1.** कौन **2.** स्वयं **3.** मैं **4.** तुम्हारी **5.** उसकी

ग.	**सर्वनाम**		**भेद**
1.	कुछ	–	अनिश्चयवाचक
2.	जो-वही	–	संबंधवाचक
3.	स्वयं	–	निजवाचक
4.	क्यों	–	प्रश्नवाचक
5.	वह	–	निश्चयवाचक

घ. **1.** तुम अपने घर जाओ। **2.** उसे मेरी कमीज दे दो। **3.** मुझे तुमसे काम नहीं करवाना। **4.** इस प्रतियोगिता में किसी को भाग नहीं लेना। **5.** जिसने गृहकार्य नहीं किया वे खड़े हो गए।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

13. विशेषण

मौखिक प्रश्न

1. विशेषण– जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। **2. विशेष्य–** विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, उसे विशेष्य कहते हैं। **3.** विशेषण के चार भेद हैं- गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण। **4.** जो शब्द विशेषणों की विशेषता बताएँ, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं। **5. सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–** सर्वनाम का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, परंतु सर्वनाम शब्द जब संज्ञा शब्द की विशेषता प्रकट करते हैं, तो वह 'सार्वनामिक विशेषण' कहलाते हैं। उदाहरण– (i) वह पढ़ रहा है। ('वह' सर्वनाम) (ii) वह बच्चा पढ़ रहा है। ('वह' बच्चे की विशेषता बताने के कारण सार्वनामिक विशेषण है।)

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** द **4.** स **5.** ब

ख. **विशेषण– (क)** प्रतिभावान **(ख)** डरावना **(ग)** कुछ **(घ)** पाँच **(ङ)** काली **विशेष्य– (क)** बालक **(ख)** सपना **(ग)** किताबें **(घ)** किलो **(ङ)** घोड़ी

ग.

बाजार	–	बाजारू	पर्वत	–	पर्वतीय	भूगोल	–	भौगोलिक
पूजा	–	पूजनीय	गुलाब	–	गुलाबी	गर्व	–	गर्वित
बेचना	–	बिकाऊ	चित्र	–	चित्रित	बनाना	–	बनावटी

घ. **1.** घरेलू **2.** जंगली **3.** भारतीय **4.** अड़ियल **5.** चाँदनी

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

14. क्रिया

मौखिक प्रश्न

1. वाक्य में जिस शब्द से किसी काम के होने या करने का बोध हो, वह शब्द क्रिया कहलाता है। **2.** कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं– अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया **3. अकर्मक क्रिया–** जिस क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। उदाहरण– (i) बच्चा हँस रहा है। (ii) पक्षी उड़ रहे हैं। उपर्युक्त वाक्यों में 'हँस रहा है' और 'उड़ रहे हैं' क्रियाओं का फल कर्ता पर पड़ रहा है। क्रिया पद से कार्य के पूर्ण होने का बोध हो रहा है अतः कर्म की आवश्यकता न होने के कारण अकर्मक क्रिया है। **सकर्मक क्रिया–** जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है अर्थात् क्रिया का कर्म होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। उदाहरण– (i) राधिका किताब पढ़ रही है। (ii) बच्चे झूला झूल रहे हैं। उपर्युक्त वाक्यों में 'पढ़ रही है' तथा 'झूल रहे हैं' क्रियाओं का क्रमशः 'किताब' और 'झूला' है। क्रिया का फल कर्ता पर न

पड़कर कर्म पर पड़ रहा है अतः ये सकर्मक क्रियाएँ हैं। **4. एककर्मक क्रिया–** जिस वाक्य में क्रिया का केवल एक कर्म होता है, उसे एककर्मक क्रिया कहते हैं। इसमें क्रिया से क्या प्रश्न करने का उत्तर मिलता है। उदाहरण– (i) अनुपमा कार चलाती है। (ii) आदित्य ने नई पुस्तक खरीदी। **द्विकर्मक क्रिया–** जिस वाक्य में क्रिया के दो कर्म होते हैं, उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं। इसमें क्रिया से क्या तथा किसको का प्रश्न करते हैं। *उदाहरण–* (i) सुनयना ने रमा को गुड़िया दी। (ii) माँ ने भिखारी को भोजन दिया।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख. क्रिया–

1.	कहानियाँ सुनाई	–	सकर्मक
2.	उड़ रही है	–	अकर्मक
3.	बाढ़ आ गई	–	सकर्मक
4.	चमक रहे हैं	–	अकर्मक
5.	हँस रहा है	–	अकर्मक

ग. **1.** करूँगा। **2.** निकलता है। **3.** खाया। **4.** आया। **5.** पढ़ती हैं।

घ. **1.** सुचेता पत्र लिख रही है। **2.** मैं पढ़ने के लिए विद्यालय गया। **3.** हम फिल्म देखने जाएँगे। **4.** नेताजी ने प्रभावशाली भाषण दिया। **5.** माली पौधों को सींचता है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

15. काल

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का पता चले, उसे काल कहते हैं। काल का अर्थ है समय। **2.** काल के तीन भेद हैं– **भूतकाल –** क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में काम हो चुकने का ज्ञान हो उसे भूतकाल कहते हैं। उदाहरण– (i) प्रिया ने सुंदर चित्र बनाया। (ii) माताजी सुबह कर्नाटक गई। **वर्तमान काल –** क्रिया के जिस रूप से चल रहे समय का बोध हो उसे 'वर्तमान काल' कहते हैं। उदाहरण– (i) आदित्य आइसक्रीम खा रहा है। (ii) पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं। **भविष्यत् काल –** क्रिया के जिस रूप से उसके आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। उदाहरण– (i) मैं आज पीली कमीज पहनूँगा। (ii) बच्चे कल पिकनिक पर जाएँगे। **3.** काल के तीनों भेदों में इस प्रकार से समय का बोध होता है– ● जो समय चल रहा हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं। ● जो समय बीत गया हो, उसे भूतकाल कहते हैं। ● जो समय आगे आने वाला है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

लिखने का समय

क. 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. स

ख. 1. भविष्यत् काल 2. भूतकाल 3. वर्तमानकाल 4. भूतकाल 5. भविष्यत् काल

ग. 1. पढ़ लिया। 2. जाएँगे। 3. खा रहा है। 4. बजा दी। 5. आ रहे हैं।

घ. 1. सुधांशु रो रहा था। 2. मधु किताब पढ़ रही है। 3. हिमानी नई साइकिल खरीदेगी। 4. कमल निबंध लिखेगा। 5. किसान ने खेत में गन्ना बोया।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

16. वाच्य

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया कर्ता के अनुसार है, कर्म के अनुसार है अथवा भाव के अनुसार है, उसे वाच्य कहते हैं। 2. **कर्तृवाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया का सीधा संबंध कर्ता के साथ होता है, ऐसे वाक्य में क्रिया कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार होती है। इसकी क्रिया सकर्मक और अकर्मक दोनों प्रकार की हो सकती है। उदाहरण– (i) बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं। (ii) मीनाक्षी गीत गाती है। **कर्मवाच्य–** इन वाक्यों में क्रिया का सीधा संबंध कर्म से होता है और क्रिया का लिंग, वचन उसी के अनुसार होता है। इनकी क्रिया केवल सकर्मक होती है और मुख्य क्रिया के साथ जाना धातु का प्रयोग सहायक क्रिया के रूप में किया जाता है। उदाहरण– (i) बच्चों के द्वारा फुटबॉल खेला जाता है। (ii) मीनाक्षी द्वारा गीत गाया जाता है। **भाववाच्य–** जिन वाक्यों में न कर्ता की प्रधानता हो न कर्म की, वरन भाव प्रधान रहे और क्रिया भाव के अनुसार हो, वे भाववाच्य कहलाते हैं। इसकी क्रिया सदैव अकर्मक होती है और अन्य पुरुष, पुल्लिग व एकवचन में होती है। वाक्य में कर्ता हो भी सकता है और नहीं भी। उदाहरण– **कर्ता सहित –** (i) बच्चों से खेला जाता है। (ii) मीनाक्षी से गाया जाता है। **कर्ता रहित –** (i) चलो, अब खेला जाए। (ii) चलो, अब गाया जाए। 3. **कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए-** (i) कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया में परिवर्तित किया जाता है। (ii) कर्ता के साथ 'से' या 'के द्वारा' लगाया जाता है। (iii) मुख्य क्रिया के साथ सहायक क्रिया के रूप में 'जाना' धातु का प्रयोग किया जाता है। (iv) यदि कर्म के साथ विभक्ति हो तो उसे हटाना चाहिए। उदाहरण– **कर्तृवाच्य–** (i) माँ ने खाना बनाया। (ii) नेहा पत्र लिखती है। **कर्मवाच्य–** (i) माँ के द्वारा खाना बनाया गया। (ii) नेहा के द्वारा पत्र लिखा जाता है। **(घ) कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए–** (i) कर्ता के साथ 'से' या 'के द्वारा' लगाना चाहिए। (ii) मुख्य क्रिया के साथ 'जाना' धातु लगानी चाहिए। (iii) धातु के एकवचन, पुल्लिग एवं अन्य पुरुष का वही काल लगाना चाहिए जो कर्तृवाच्य की क्रिया का हो। **कर्तृवाच्य–** (i) मैं चल नहीं

सकता। (ii) वह सो नहीं सकता। **भाववाच्य –** (i) मुझसे चला नहीं जाता। (ii) उससे सोया नहीं जाता।

लिखने का समय

क. **1.** द **2.** अ **3.** स **4.** ब **5.** अ

ख. **वाक्य – 1.** कर्मवाच्य **2.** भाववाच्य **3.** कर्तृवाच्य **4.** भाववाच्य **5.** कर्मवाच्य

ग. **(क)** धोबी कपड़े धोता है। **(ख)** भाई के द्वारा चाचाजी को पत्र लिखा गया **(ग)** वासू से कुछ भी खाया नहीं गया। **(घ)** मोक्ष के द्वारा नई गाड़ी खरीदी गई। **(ङ)** सरकार ने अकालपीड़ितों की सहायता की।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

17. अविकारी शब्द या अव्यय

मौखिक प्रश्न

1. जिन शब्दों में लिंग, वचन और कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता वे अविकारी या अव्यय कहलाते हैं। **2.** अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं– **अ.** क्रियाविशेषण **ब.** संबंधबोधक **स.** समुच्चयबोधक **द.** विस्मयादिबोधक **3.** क्रियाविशेषण के चार भेद होते हैं– **अ.** रीतिवाचक क्रियाविशेषण **ब.** कालवाचक क्रियाविशेषण **स.** स्थानवाचक क्रियाविशेषण **द.** परिमाणवाचक क्रियाविशेषण **4. समुच्चयबोधक –** जो शब्द दो शब्दों, दो वाक्यांशों अथवा दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं, वे 'समुच्चयबोधक' शब्द कहलाते हैं। इन्हें योजक भी कहा जाता है। उदाहरण– (i) शालू और शीला सगी बहनें हैं। (ii) मुझे सब्जी खरीदनी थी इसलिए मैं बाज़ार गया। उपर्युक्त वाक्यों में 'तथा' तथा 'इसलिए' शब्द दो शब्दों एवं वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं अतः ये समुच्चयबोधक शब्द हैं।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** स **4.** ब **5.** अ

ख.

1.	ध्यानपूर्वक	–	रीतिवाचक
2.	कम	–	परिमाणवाचक
3.	बाहर	–	स्थानवाचक
4.	अभी-अभी	–	कालवाचक
5.	तेज	–	रीतिवाचक

ग. **(क)** के पास **(ख)** से **(ग)** के पास **(घ)** के बाहर **(ङ)** के किनारे

घ. **1.** मैं घर जाना चाहता हूँ ताकि आराम कर सकूँ। **2.** उसे कपड़े खरीदने थे इसीलिए

वह बाजार गया। **3.** तुम पढ़ा करो अन्यथा फेल हो जाओगे। **4.** मैं मित्र से मिलने गया लेकिन वह घर पर नहीं था। **5.** रमेश पढ़ता रहता है लेकिन उसका भाई खेलता रहता है।

ङ **1.** वाह वाह! **2.** बाप रे! **3.** अरे! **4.** ओह! **5.** छिः छिः!

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

18. वाक्य रचना

मौखिक प्रश्न

1. शब्दों के सार्थक एवं व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं। **2.** वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य और विधेय **3. उद्देश्य–** वाक्य में जिसके संबंध में बात की जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं। प्रायः कर्ता ही उद्देश्य होते हैं। **विधेय–** उद्देश्य अथवा कर्ता के संबंध में जो कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं। **4.** रचना के आधार पर वाक्य में तीन भेद होते हैं– (i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य (iii) मिश्रित उपवाक्य **5.** अर्थ के आधार पर वाक्य में आठ भेद होते हैं– (i) विधानवाचक वाक्य (ii) निषेधवाचक वाक्य (iii) प्रश्नवाचक वाक्य (iv) आज्ञावाचक वाक्य (v) इच्छावाचक वाक्य (vi) संदेहवाचक वाक्य (vii) संकेतवाचक वाक्य (viii) विस्मयादिबोधक वाक्य

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख.	**उद्देश्य**	**विधेय**
1.	कक्षा छह के	बच्चों ने नृत्य किया।
2.	महादेवी वर्मा	एक अच्छी कवयित्री थी।
3.	अहिंसा के पुजारी गांधी जी	महात्मा कहलाते थे।
4.	सैनिकों ने	शत्रुओं को पराजित किया।
5.	मेरे छोटे भाई कृष्णा ने	मुझे उपहार दिया।

ग. **1.** सरल वाक्य **2.** संयुक्त वाक्य **3.** संयुक्त वाक्य **4.** मिश्रित वाक्य **5.** सरल वाक्य

घ. **1.** यदि तुम पढ़ोगे तो सफलता अवश्य मिलेगी **2.** मैंने अपना गृहकार्य नहीं किया। **3.** क्या तुम मुंबई जा रहे हो? **4.** समय से विद्यालय जाया करो। **5.** शायद हम मॉल घूमने जाएँ।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

19. विराम चिह्न

मौखिक प्रश्न

1. लिखित भाषा में रुकने का संकेत करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं। **2. अल्प विराम (,)–** पढ़ते समय या बोलते समय थोड़ा रुकने के लिए अल्प विराम (,) का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण– (i) वह मुझसे मिलने आया, थोड़ी देर ठहर कर चला गया। (ii) मैंने आम, केला, सेब और संतरे खरीदे। **3. त्रुटिपूरक (^)–** लिखते समय किसी शब्द या वाक्यांश के छूट जाने पर इस चिह्न (^) को लगाकर उसे लिख दिया जाता है। उदाहरण– (i) भागवतगीता एक धार्मिक^ ग्रंथ है। (ii) डॉ० राजेंद्र प्रसाद भारत के प्रथम^ राष्ट्रपति थे। **4. लाघव चिह्न (०)–** किसी बड़े शब्द को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर लाघव चिह्न लगाया जाता है। उदाहरण– पंडित = पं०, डॉक्टर = डॉ०, उत्तर प्रदेश = उ० प्र०।

लिखने का समय

क. **1.** द **2.** ब **3.** ब **4.** ब **5.** अ

ख. **1.** डॉ० साहब मरीज देखने गए। **2.** तुम्हारी परीक्षाएँ कब से शुरू हैं? **3.** मैंने भिंडी, गोभी, आलू और प्याज खरीदे। **4.** शाबाश! तुमने बहुत अच्छा भाषण दिया। **5.** सुख-दुख जीवन में आता-जाता रहता है।

ग.

	चिह्न	चिह्न का नाम
1.	(–)	निर्देशक चिह्न
2.	(?)	प्रश्नवाचक चिह्न
3.	(!)	विस्मयादिबोधक चिह्न
4.	(,)	अल्प विराम
5.	(-)	योजक चिह्न
6.	(०)	लाघव चिह्न

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

20. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

मौखिक प्रश्न

1. मुहावरे ऐसे संक्षिप्त वाक्यांश होते हैं जिनका शाब्दिक अर्थ न होकर लाक्षणिक अर्थ निकलता है। इनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं होता ये वाक्य का ही अंश होते हैं। इनके प्रयोग से भाषा सशक्त, प्रभावशाली एवं आकर्षक बनती है। **2.** लोकोक्ति शब्द दो शब्दों के योग से बना है– लोक + उक्ति। जिसका अभिप्राय है समाज में प्रयोग

किया जाने वाला परंपरागत कथन। यह अनुभव पर आधारित एवं अर्थ को प्रमाणित करती है। यह अपने-आप में पूर्ण होती है इसका अर्थ साधारण एवं सांकेतिक हो सकता है। इनका प्रयोग लोगों द्वारा अपने कथन के समर्थन में किया जाता है। **3.** लोकोक्ति को जनश्रुति तथा कहावत भी कहा जाता है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** स **4.** ब **5.** अ

ख. **1.** अँधेरे घर का **2.** आग-बबूला **3.** चिकना **4.** घी के दिए **5.** खरी-खोटी

ग. **1.** छलकत जाए **2.** चना भाड़ नहीं **3.** दुकान फीका **4.** पहाड़ निकली **5.** के भूत, से नहीं मानते **6.** दाँत दिखाने के और खाने के **7.** घर का भेदी **8.** हाँडी बार-बार नहीं

घ. **1.** (iv) 2. (v) 3. (iii) 4. (i) 5. (ii)

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

21. रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

22. अपठित गद्यांश

3. **(क)** ब **(ख)** स **(ग)** ब **(घ)** अ **(ङ)** अ

4. **(क)** स **(ख)** अ **(ग)** ब **(घ)** अ **(ङ)** ब

5. **(क)** द **(ख)** ब **(ग)** अ **(घ)** स **(ङ)** अ

23. अपठित पद्यांश

1. **(क)** ब **(ख)** अ **(ग)** द **(घ)** ब **(ङ)** स

2. **(क)** स **(ख)** अ **(ग)** ब **(घ)** स **(ङ)** स

3. **(क)** स **(ख)** अ **(ग)** ब **(घ)** अ **(ङ)** अ

24. कहानी लेखन

स्वयं कीजिए।

25. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

26. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

27. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।